महिला दिवस पर...

सुसंस्कृत नारी समाज में शांति, प्रेम और संस्कारों की आधारशिला बन जाती

नई दिल्ली-हरि नगर। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'स्वर्णिम भारत की नींव - सशक्त महिला' विषय पर कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों से आईं प्रतिष्ठित महिलाओं ने भाग लेकर नारी शक्ति और आध्यात्मिक मूल्यों का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत ब्रह्माकुमारीज़ के परिचय, वीडियो और सामूहिक राजयोग मेडिटेशन से हुई। इसके बाद ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा पौधे व तिलक के साथ सभी सम्माननीय महिला अतिथियों का स्वागत किया गया। कुमारी अकार्ति द्वारा दिव्य गीत पर स्वागत नृत्य की प्रस्तुति दी। हरि नगर की वरिष्ठ शिक्षिका ब्र.कु. स्नेहा ने ब्रह्माकुमारी महिला प्रभाग का परिचय दिया और आध्यात्मिक सशक्तिकरण के माध्यम से महिलाएँ समाज में सकारात्मक परिवर्तन कैसे ला सकती हैं इसपर अपने विचार रखे। जल मार्ग मंत्रालय की डायरेक्टर श्रीमती सीमा सूरी, नगर निगम दिल्ली की काउंसलर श्रीमती रामिंदर कौर, डीडी न्यूज़ हिन्दी की एडिटर श्रीमती संगीता, सुप्रीम कोर्ट की वकील श्रीमती मधु तलवार और समाजसेवी श्रीमती सोनिया सहानी ने अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए। इस अवसर पर सिस्टर जूली ने नारी शक्ति की थीम पर एक शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी...वहीं और श्रीमती संजना ने महिलाओं पर एक खास कविता पाठ कर नारी शक्ति की महिमा की। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राजयोग शिक्षिका द्वारका सेक्टर-7 की ब्र.कु. नीलम ने अपने सम्बोधन में कहा कि जब महिला अपने आत्मिक स्वरूप को पहचानती है, तब वह परिवार और समाज में शांति, प्रेम और संस्कारों की आधारशिला बन जाती है।

कार्यक्रम के दौरान सभी मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन समारोह में मौजूद सभी महिलाओं को आत्म ज्योत को जाग्रत करने और नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया। हरि नगर उपक्षेत्रीय निदेशिका,सिक्योरिटी सर्विसेज विंग की अध्यक्षा राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. शुक्ला दीदी ने सभी को अपने अंदर की नारी शक्ति को राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से जगाने की प्रेरणा दी। आपने कहा कि आध्यात्मिक मूल्यों द्वारा सशक्त महिला ही स्वर्णिम भारत की नींव रख सकती है। आगे कहा कि परमपिता परमात्मा ने स्वर्णिम भारत बनाने की परिकल्पना को साकार करने के लिए महिलाओं को ज्ञान कलश दिया और उनको सम्मान देकर ऊंचा उठाया। हरि नगर की राजयोगा टीचर ब्र.कु. ज्योति ने सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। जिससे सभा में मौजूद सभी नारी शक्तियां आत्मिक शांति और शक्ति से भर गईं।

विश्व परिवर्तन की सेवा में आजीवन समर्पित राज्य के ब्रह्माचारी युवाओं का सम्मान

राजकोट-हैप्पी विलेज(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों पर समर्पित रूप से सेवा देने वाले 108 भाइयों का शानदार सम्मान समारोह 'राजकोट हैप्पी विलेज' में आयोजित किया गया। त्याग, तपस्या और विश्व सेवा में अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित करने वाले राजऋषि, तपस्वी कुमार सचमुच समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। ये संदेश पहुंचाने के लक्ष्य से आयोजित समारोह में युवा प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी ने लक्ष्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि ये सभी वो युवा भाई हैं जिसने सभी मोह, ममत्व, ऐशों-आराम छोड़कर परमात्मा पर आत्म समर्पण हो गए। मुझे एक-एक युवा से विवेकानंद, दयानंद आदि जैसे महान व्यक्ति की महानता नज़र आती है। ये सम्मान आदर करता एक दिल का भाव है, उर्मि है। ब्रह्माकुमारीज़ एडिशनल सेक्रेटरी जनरल राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय ने गुजरात की गरिमा बढ़ाते हुए कहा कि गुजरात माना गुजर गयी रात... अभी अँधेरा नहीं... सवेरा ही होगा... ये सब समर्पित युवा धन अपनी पवित्रता की शक्ति से गुजरात तो क्या पूरे विश्व को तेजस्वी, ओजस्वी बनाएंगे और परमात्मा के विश्व परिवर्तन के कार्य को और ही त्वरित गति से स्वर्णिम भारत की परिकल्पना को धरा पर उतारेंगे। मैं ऐसे महान राजयोगी ब्रह्मावत्स, ब्रह्मचारी युवाओं का दिल की गहराइयों से आदरपूर्वक सम्मान करता हूँ। इस अवसर पर आर.के. यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. अमित लाठीगारा ने कहा कि दूसरों के लिए जीना यही सच्चा जीवन है। ये बात ब्रह्माकुमारीज़ के सभी भाइयों ने न सिर्फ कही बल्कि जीवन बनाकर दिखाया। और संस्था की सराहना करते हुए कहा कि सचमुच आप सभी ने मानवीय मूल्यों को समझकर आगे बढ़ाया है, सभी को सच्ची राह दिखाई है। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन से आत्म संयमी जीवन बनता है और उससे वे कभी भी निगेटिविटी की छाया में नहीं आते। वे सदा ही कंस्ट्रक्टिव एप्रोच के साथ जीते हैं वे ही समाज तथा विश्व के लिए आदर्श होते हैं। ग्रामीण प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी,महेसाणा ने सभी को दृढ़ संकल्प कराते हुए कहा कि तपस्वी ब्रह्माकुमार के जीवन में नियम, मर्यादा का पालन करना ये अनेकों को प्रेरणा देता है। जिससे यकीन ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि परमपिता परमात्मा की शिक्षाओं पर चलकर उनकी आशाओं को पूर्ण करेंगे। गुजरात क्षेत्र की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी ने सभी मेहमान एवं परमात्म प्रेमी भाइयों का स्वागत किया। राजकोट की सभी तपस्वी ब्रह्माकुमारी बहनों ने एक अद्भुत कृति से आने वाले भाइयों का सम्मान करते - तन्दुरुस्त भवः, शक्तिशाली भवः, निर्विघ्न भवः आदि दुआओं से फूलों की बारिश की। कार्यक्रम का आयोजन 'वैश्विक शान्ति और आंतरिक परिवर्तन' का संदेश फैलाने के उद्देश्य से किया गया। हैप्पी विलेज के प्रांगण में सचमुच एक सुकून भरी शांति व आल्हाददायक वातावरण दिल को स्पर्श कर रहा था। इस अवसर पर ब्र.कु. शारदा,आम्बावाड़ी,अहमदाबाद, ब्र.कु. नेहा,मणि नगर,अहमदाबाद, जयेश भाई मोराठिया,डायरेक्टर शैलेश फेजिंग आदि की भी उपस्थिति रही।

60,000 लोगों के सामूहिक राजयोग ध्यान कार्यक्रम को विनर्स बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स के अध्यक्ष डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके ने इसकी घोषणा की। तत्पश्चात् संस्थान के एडिशनल जनरल सेक्रेटरी राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय के कर कमलों द्वारा वर्ल्ड रेकॉर्ड का सर्टिफिकेट गुजरात ज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी तथा राजयोगिनी ब्र.कु. अमर दीदी को प्रदान किया गया।

सभी राजऋषि, ब्रह्मचारी भाइयों ने अपने दिल पर हाथ रखते सभी के सामने ये दृढ़ प्रतिज्ञा की...

- हम सदैव ईश्वरीय नियमों के अनुरूप जियेंगे
- हर परिस्थिति में अचल, अडोल रहेंगे
- आपसी प्रेम, एकता से संगठन की गरिमा को बढ़ायेंगे

60,000 लोगों के सामूहिक मेडिटेशन को 'विनर्स बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स' में किया शामिल

राजकोट : विश्व ध्यान दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े लगभग 60,000 लोग अहमदाबाद स्थित गुजरात ब्रह्माकुमारीज़ विश्व विद्यालय के परिसर में एकत्रित हुए और सामूहिक राजयोग ध्यान किया, जिसे 'विनर्स बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स' में शामिल किया गया है। प्रकाश, रंगों और आध्यात्मिक उत्साह से परिपूर्ण यह भव्य कार्यक्रम गुजरात में ब्रह्माकुमारीज़ की राज्य में सेवाओं की 60वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। गुजरात के प्रतिभागियों के साथ-साथ भारत के विभिन्न राज्यों और 15 से अधिक देशों के लोग भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। राजकोट के हैप्पी विलेज रिट्रीट सेंटर में आयोजित सेवारत्नों के सम्मान कार्यक्रम में विनर्स बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड्स के अध्यक्ष तथा 184 वर्ल्ड रेकॉर्ड करने वाले पहले भारतीय डॉ. ब्र.कु. दीपक ने इसकी घोषणा की। संस्थान के एडिशनल जनरल सेक्रेटरी राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय के कर कमलों से वर्ल्ड रेकॉर्ड का सर्टिफिकेट गुजरात ज़ोन संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. चंद्रिका दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी तथा राजयोगिनी ब्र.कु. अमर दीदी को प्रदान किया।

RNI NO. RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 23th TO 24th Each Month.
स्वामी - आर.ई.आर.एफ. प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-1 Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) में मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, तलहटी, आबू रोड, शान्तिवन - (राज.) - 307510
See Latest News login
www.omshantimedia.org